Printed Pages – 2

PG-21297

M. A. (Final) Examination, 2021

SANSKRIT

Paper : Sixth

(काव्य शास्त्र)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 70

***नोट** : सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। (सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)*

1. (अ) मम्मटः के मतानुसार काव्य का लक्षण लिखिए। 7

अथवा

मध्यम काव्य का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(ब) ''साक्षात्सङ्केतितं योऽर्थमभिधत्ते सः वाचकः'' इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 7

अथवा

लक्षणा शक्ति का लक्षणोंदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. (अ) भट्टनायक के रसभुक्तिवाद सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए। 7

अथवा

अलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनि के भेदों का निरूपण कीजिए।

(ब) अभिनव गुप्त के रसाभिव्यक्ति वाद का निरूपण कीजिए। 7

अथवा

रसाभास ध्वनि का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. (अ) अधोलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए— 7

काव्यस्यात्मा स एवार्थस्तथा चादिकवेःपुरा।

क्रौञ्चद्वन्द्वियोगात्थः शोकः श्लोकत्वमागतः॥

अथवा

आचार्य आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ब) व्याख्या कीजिए— 7

रूढ़ाये विषयेऽन्यत्र शब्दाः स्वविषयादपि।

लावण्याद्याः प्रयुक्तास्तेनभवन्ति पदंध्वनेः॥

अथवा

ध्वन्यालोक के अनुसार ध्वनि सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

4. (अ) नाट्यशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास परम्परा पर प्रकाश डालिए। 7

अथवा

निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

सर्वशास्त्रार्थसम्पन्नं सर्वशिल्पपवर्तकम्।

नाट्याख्यं पञ्चमंवेदं सेतिहासं करोम्यहम्॥

(ब) किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए— 7

(क) भारती वृत्ति

(ख) नेपथ्य गृह

(ग) कैशिकी वृत्ति

(घ) प्रेक्षागृह

5. (अ) गुण सम्प्रदाय अथवा वक्रोक्ति सम्प्रदाय में से किसी एक का वर्णन करते हुए उसका काव्यशास्त्र में महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 7

(ब) निम्नलिखित में से किसी **एक** आचार्य पर काव्य विषयक टिप्पणी लिखिए— 7

(क) वामन

(ख) रूद्रट

(ग) कुन्तक

(घ) क्षेमेन्द्र